



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक २५-१२-२३	३०-१२-२३	३	३-६

हफ्ते में जल संवाद • ज़ेल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

जल अमूल्य संसाधन, भावी पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

भारकर न्यूज | हिसार

जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय,

विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपयोग अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, बाटर शेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उत्तर तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्पर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।



कार्यशाला के समापन पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र देते हुए।

देश में बारिश का केवल 8 % जल का उपयोग होता है : डॉ. मलिक

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप मलिक ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रपतार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः चार आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल धंडारों की संख्या बढ़ानी होगी।

ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सके। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 % जल का उपयोग होता है बाकि 92 % पानी बबांद हो जाता है। भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बबांद हो जाता है। इसलिए जल संरक्षण करना जरूरी है। इस अवसर पर विज्ञान भारती, हिसार के जिला समन्यवक डॉ. संजय बास्त्वा, विभावाणी के कार्यकारी निदेशक डॉ. एन.पी. राजीव, विभावाणी के चेयरमैन डॉ. सुनील चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभिभावक	३०-१२-२३	५	५-७

जल अमूल्य संसाधन, भावी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. कांबोज

एचएयू परिसर में जलसंवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। यह कहना है हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का। वे विविध के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय व उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें



हिसार के एचएयू में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन के मौके पर प्रतिभागी को प्रमाणपत्र सौंपते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी को फैलाने में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जल संचय व उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबंध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने कार्यशाला

मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए प्रेरित करें।

काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सके। दूसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुनः उपयोग, और चौथा

जल आंदोलन को जनांदोलन बनाना होगा : डॉ. प्रताप सिंह गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने जल संरक्षण का महत्व समझाया। डॉ. प्रताप ने कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबोधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने बजट भी आवंटित किया है। इन योजनाओं को पूरा कराया जा रहा है।

जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, डॉ. जाकिर हुसैन, संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू नागपाल आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमाचार

पत्र का नाम
दैनिक जागरूकदिनांक
३०/१२/२३पृष्ठ संख्या
२कॉलम
५-६

जल अमूल्य संसाधन : प्रो. बीआर

जागरण संवाददाता, हिसार: जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद, जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. प्रताप मलिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर

- जल संवाद, जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण पर कार्यशाला

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति रहे मुख्यातिथि



हकृति में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समाप्ति अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए। प्रो. बीआर और उनके साथी विभावाणी के निदेशक डा. बलवान द्वारा प्राप्त प्रमाण-पत्र का अवलोकन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं नागपाल, जिला समन्वयक डा. विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान संजय बारूआ, कार्यकारी निदेशक सिंह विभावाणी के सचिव डा. डा. एनपी राजीव, विभावाणी के जाकिर हुसैन, उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक डा. मंजू मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मान पत्र का नाम
दिनांक

दिनांक
३०-१२-२३

पृष्ठ संख्या
११

कॉलम
१-२

जल अमूल्य, भावी-पीढ़ी के लिए बचाना जरूरी : काम्बोज



हिसार में शुक्रवार को हकूमि में आयोजित कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते प्रो. बीआर काम्बोज। -हप्र

हिसार, २९ दिसंबर (हप्र)

जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। भावी-पीढ़ी के लिए जल बचाने को सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूमि) के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि कही।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबंधित मुहिम को रफ्तार मिल सकेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीर मूर्म	३०-१२-२३	॥	।-५

भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत : प्रो. काम्बोज

■ जल संवाद : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

हरिगूर्गि न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज शुक्रवार को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संवाद :

जल साक्षरता अभियान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों



हिसार। दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभावी को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने इस दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल प्रतिभावियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान

50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कठा कि भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय बनाया है, जिससे जल जीवन मिशन जैसी संबोधित मुठिम को रपतार मिल सकेगी। इस मिशन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन डॉलर का बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः घार आयामों पर काम करने पर बल दिया।

सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि विभावाणी के सचिव डॉ. जाकिर हुसैन ने धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
झाजीर समाचार	३०.१२.२३	१०	१-३

जल अमूल्य संसाधन, इसे बचाना जरूरी : प्रो.बी.आर. काम्बोज



हृषि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

हिसार, 29 दिसम्बर (विरेन्द्र संबोधित कर रहे थे)। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एवं प्लॉसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी ईंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने जल संरक्षण पर उचित उपाय अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग,

बाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उच्चत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बूद्ध-बूद्ध पानी का सुदृप्योग करने के साथ जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फव्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उत्पुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर जल संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर सभी को पानी की कम से कम खपत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मुख्यातिथि ने कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्यशाला एवं प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी को फिल्ड में जाकर सीधे तौर पर आमजन से जुड़कर कृषि में जल की खपत को कम करें और अन्य लोगों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरी	३०-१२-२७	७	३-४



प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र वितरित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज।

‘हम व्यर्थ में बह जाने देते हैं बारिश का 92 प्रतिशत जल’

हिसार, 29 दिसंबर (ब्यूरो): जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में जल संचालन : जल साक्षरता अभियान पर क्षमता नियोजन कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरु जग्मेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विभावाणी इंडिया एवं विज्ञान भारती के संयुक्त सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुख्यतः 4 आयामों पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण, जिसमें हमें छोटे-छोटे तालाब, जोहड़ व जल भंडारों की संख्या बढ़ानी होगी, ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सके। क्योंकि भारत देश में बारिश का केवल 8 प्रतिशत जल का उपयोग होता है, वाकि 92 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसरा पानी का संयम पूर्ण उपयोग एवं भोग, तीसरा पानी का पुः उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा भारत में जल स्त्रोत से लेकर नल तक पहुंचने तक करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अभियान से जुड़कर दूसरों को उपरोक्त चारों आयामों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	29.12.2023	--	--

जल अमूल्य संसाधन, भाँवी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो.बी.आर. काम्बोज

अपना हीरापा अपना

हिमार, 29 दिसंबर। जल हमारे लिए अप्रभु
संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का
दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को संरक्षे
के लिए सभी को विद्यार्थी करने की अपार्श्ववाक्यता
है। ऐ विद्यार्थी वार्षण लिंग हारियाणा कृषि
विद्याविद्यालय के बहुतारी प्रो., बी.आर. काम्पोज़ मे
ञ्चल विद्यु। ऐ विद्याविद्यालय के माध्यम संसाधन
प्रक्रिया निवेशकाल में जल लेना। * जल साधारण
अपर्श्ववाक्य पर क्षमता विषय कार्यशाला के समाप्त
उत्तरार्थ पर बाहर पुकारातीर्थि संस्कृति कर रहे हैं। इस
कार्यक्रम में पृथक वक्ता के अन्त में पृथक वक्ते द्वारा
विद्याविद्यालय, विद्यार्थी के द्वेषिणी एवं प्रोफेसर डॉकर के
विवेशक भी, प्रधान लिंग हारियाणा है। विद्याविद्यालय,
विद्यावाणी हारियाणा एवं विद्यालय भारी के संयुक्त संसदीय
से इस कार्यशाला का अधीक्षण किया गया था।
पृथकातीर्थि प्रो., बी.आर. काम्पोज़ मे जल संरक्षण पर
उच्चार उच्चम उपनामे पर जार ली गई गता कि जल
का दोहरा गयि इसी तरह आरी रहा तो विषय में कृषि
उत्तरार्थ में 30 प्रोत्साहन साक गिरावट ही सकती है।
जल संरक्षणी का वेतावत प्रयोग, वाटरलोड विकास,
बर्फी जल संरक्षण तथा ऊत कलनीकी की अपनाकर
पानी का विशुद्ध प्रयोग जलने की अहि उपायवाक्यता है।
उत्तरी बंद-बंद पानी का संरक्षण करने के साथ जल

A black and white photograph showing a group of approximately ten people standing in two rows. They are dressed in various styles of clothing, including suits and casual wear. Behind them is a large vertical banner with the letters 'JAL' at the top, followed by Japanese characters '携帯電話契約' (Mobile Phone Contract) in a stylized font.

किया। उन्होंने कहा कि इसी बहुती में विभिन्नताएँ की ओर से समय-समय पर जात संख्याएँ कार्रवाई का आवाजन कर सकती हो पाती ही की कम से कम दूसरे कर्तव्यों के लिए प्रेरित किया जाता है। मुख्यतात्परी ऐसे कार्रवाई की भाग से रहे प्रतिशतियों को जात संख्याएँ के प्रति जापानकर्तव्य करते हुए कहा कि कर्तव्य इसका वायरिटेट एवं प्रशिक्षणों में प्राप्त जापानकर्तव्य की फिल्म में जापान की तीर पर जापानकर्तव्य के बहुत और क्षार में जापान की जापान कर्तव्य की अद्वितीयता को इस मुख्य से जुड़ते के लिए प्रेरित करें।

103

जब संस्कृतण के लिए जाल आदीलन बो जान
आदीलन बाजाना जास्ती : मुझ यहां छाँ, प्रताप
मिह
मुझ बता दो, प्रताप रिंग ने कहा हि जाल संस्कृत

तात्परीको का उपयोग शामिल है। उसमें कहा भारत में जल स्रोत से ऐकत जल ताक पर्युक्त तक करीब 40 प्रतिशत पानी बचाई हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अभियान से जुड़े हुए हों को उपयोग बढ़ावा देना चाहिए। उसके लिए प्रति करता शामिल होकर जल अधीकारित को जल अधीकारित बनाया जा सकता है। उसमें विधायाणी द्वारा जल संरक्षण से जुड़े पुढ़ियन चलाने पर उसकी सहायता की। उसमें कहा जिए हजारहाल में केवल 100 मिली.लीटर वाली लोही है, जबकि भारत में 1068 मिली.लीटर वाली होनी के आवश्यक हजारहाल देश में पानी को पानी सोच बनाने के लिए अपेक्ष असुरक्षित कर रखी विकास द्वारा किया गया है। हमें भी उत्तम अनुसृत बनाता चाहिए। कार्यक्रम में पृथग्यातिथि ने इस दो विधायाणी कार्यक्रमाला में शामिल प्रतिपादियों को प्रयाप्त-पत्र चिह्नित किए। विधायिकालय के बृहस्पतिवर्ष पर्यावरण विभाग विदेशीक और भारतीय विदेशी विभाग में सभी का स्वामान किया, जबकि विधायाणी के सचिव और जालियन द्वारा उपर्युक्त प्रस्तुत किया। उत्तम विदेशालय की संयुक्त विदेशीक और भारतीय समानांग ने एवं अन्यायालय ने एवं विधायिकालय के विभाग विदेशीक और भारतीय विभाग, विधायाणी के कार्यपालकों विदेशीक और एन.पी. राजीव, विधायाणी के विधायिकालय की विदेशीक और एन.पी. राजीव चाहौड़ी द्वारा शामिल गये। इसके अन्यायालय विधायिकालय के अधिकारीराजपत्र चिह्नित इसमें जुड़े व्यक्ति महाविद्यालयी के अधिकारी, विदेशी, विधायाणीक, विधायिकालय, विधायिकालयी के अधिकारी, विदेशी विधायिकालयी के सदस्य भी शामिल होते।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.12.2023	--	--

जल अमूल्य संसाधन, भावी-पीढ़ी के लिए इसे बचाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

संय कार्य व्यू

हिसार। जल हमारे लिए अमूल्य संसाधन है, जिसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। हमें भावी-पीढ़ी के लिए जल को बचाने के लिए सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। ये विचार चौपाई चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधीत प्रो. वॉ. आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन गवाहान निदेशकालय में जल संबंध : जल साक्षरता अधिकारी पर शमाली निमाय काम्पसाल के समाप्त अवसर पर बताए और मूल्यांतिक संबंधित कर रहे थे। इस काम्पसाल में मुख्य वक्ता के रूप में युवा जनभेदम विश्वविद्यालय, हिसार के दैनिक एवं प्लॉटमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय, विधायकाली दूड़िया एवं विज्ञन भारती के मंत्र्युक्त नहरेय से इस काम्पसाल का आयोजन किया गया था।

मूल्यांतिक प्रो. वॉ. आर. काम्बोज ने जल संसाधन पर ध्यात उपस्थित एवं जल देते हुए कहा कि जल का दोहन यदि इसी तरह



जारी रखते भवित्व में व्यापे उत्तम रूप में 30

प्रतिशत तक बढ़ावट हो सकती है। जल संसाधनों का बढ़ता प्रवाह, बढ़तरोड विकास, व्यापा जल संचय तथा उत्तम तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने बृद्ध-बृद्ध पानी का सदृश्यगम करने के माध्यम जल उपयोग दूक्ता के लिए टपका सिंचाई, फल्जां सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दूक्ता के लिए ग्रैन हाउस गैस

के उत्तमन को कम करना व श्रम उपयोग दूक्ता के लिए उपयुक्त मरीनोकण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय वी ओर से सम्बन्ध-सम्बन्ध पर जल संरक्षण कार्यकर्ता का आयोजन कर साझे स्थी पानी की बग से कम खपत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। मूल्यांतिक

भारत सरकार ने जल शक्ति भ्रात्यालय बनाया है, जिसमें जल जीवन मिशन जैसी संशोधित मुद्रम को रक्खने मिल सकेगी।

इस विश्वन के लिए भारत सरकार ने 50 मिलियन हालांकि बड़ा बजट भी अलॉट किया है। मुख्य वक्ता ने पानी की खपत को कम करने के लिए मुद्रित यात्रा आयोजो पर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहला जल संरक्षण विषय हमें छोटे-छोटे तात्पर्य

लोड व जल भठारों की संख्या बढ़ानी होगी ताकि अधिक से अधिक जल संचय किया जा सके। अलॉट भारत देश में बांधा जल केवल 8 प्रतिशत जल का उपयोग होता है बाकि 92 प्रतिशत पानी ब्लॉक हो जाता है। इससे पानी का संयम पूरा उपयोग एवं भेज, तो सही पानी का पूरा उपयोग, और चौथा जल संचय में नई तकनीकों का उपयोग शामिल है। उन्होंने कहा भारत में जल संचय से लेकर न तल तक पूर्वन तक करीब 40 प्रतिशत पानी बचाया हो जाता है। इसलिए हमें जल संरक्षण अधिकारी से जुड़ने के लिए द्वारित करें।

जल संरक्षण के लिए जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाना जरूरी : डॉ. प्रताप सिंह

मुख्य वक्ता डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाया जा सके। उन्होंने विभावणी द्वारा जल संरक्षण से जुड़ी मूल्यांकनों द्वारा जल संरक्षण की उन्होंने कहा कि इजराइल में केवल 100 मिली.लीटर वर्षा होती है, जबकि भारत में 1068 मिली.लीटर वर्षा होने के बावजूद इजराइल देश ने पानी की पीड़िया बनाने के लिए अनुसंधान कर दी है किन्तु लैंपार किए हैं। हमें भी उनका अनुसंधान करना चाहिए।